दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 09.03.2025

प्रकाशनार्थ

डिजिटल साक्षरता, वर्तमान समय की आवश्यकता–डॉ. मुदित दुबे

दिनांक 09.03.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर स्थित मीराबाई छात्रावास के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के चौथे दिन का प्रारंभ प्रार्थना सभा व लक्ष्यगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं को योग व आत्मरक्षा अभ्यास कराया गया।

तत्पश्चात चारो इकाईयों के स्वयं सेवक व स्वयसेविकाओ ने कैम्प स्थित निर्धारित स्थल बेतियाहाता मलीन बस्ती पहुच कर स्वछता हेतु जनजागरण के साथ–साथ स्वक्षता का कार्य पूण मनोयोग से किया। स्वयंसेवक व स्वयसेविकाओ ने बेतियाहाता स्थित हनुमान जी मंदिर व मंगला देवी मंदिर के परिसर व भिन्न मन्दिरो में सफाई का कार्य किया गया।

सफाई कार्यक्रम के बाद स्वयं सेवक व स्वयसेविकाओ के द्वारा "यूथ ऑफ माई भारत" थीम पर मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सुरभि ने प्रथम व तान्या व मुस्कान मद्धेशिया ने संयुक्त रूप से द्वितीय व तनीषा व सिमरन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चतुर्थ दिवस के बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान के शिक्षक डॉ. मुदित दुबे जी ने डिजिटल साक्षरता वर्तमान समय की आवश्यकता विषय पर विस्तृत रूप से अपना विचार रखा। सर ने कहा कि डिजिटल साक्षरता आज के दौर में अत्यंत आवश्यक हो गई है, क्योंकि हमारी अधिकांश गतिविधियाँ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित हो गई हैं। शिक्षा, बैंकिंग, व्यापार, संचार और सरकारी सेवाएँ अब डिजिटल रूप में तेजी से उपलब्ध हो रही हैं। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल कंप्यूटर या स्मार्टफोन चलाना नहीं, बल्कि इंटरनेट का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग करना भी है। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत सरकार ने कई योजनाएँ शुरू की हैं, जैसे प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA), जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी तकनीकी जागरूकता बढ़ रही है। हालांकि, साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और फेक न्यूज जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं, जिन्हें डिजिटल साक्षरता द्वारा रोका जा सकता है।

अतः हर नागरिक को डिजिटल साक्षरता अपनाकर न केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, बल्कि तकनीकी विकास का अधिकतम लाभ उठाकर समाज की प्रगति में योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ट कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पीयूष सिंह ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निधि राय ने किया। इस अवसर पर वरिष्ट कार्यक्रम अधिकारी डॉ जितेन्द्र कुमार पाण्डेयव डॉ. प्रदीप यादव व चारो इकाईयों के स्वयंसेवक व स्वयं सेविका अनुराग मिश्रा, प्रफुल्ल त्रिपाठी, रुबिका कुमारी, प्रिया गुप्ता, आकृति राय, शिखा राय, सृष्टि राव ,शिवांगी यादव, आरती पाठक, विवेक प्रजापति, मृदुल जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क